पाठ 6

सच्ची मण्डली क्या है?

इस पाठ में आप पढ़ेंगे।

- "मण्डली" का क्या अर्थ है?
- सच्ची मण्डली क्या करती है?
- क्यों मण्डली के सदस्य बनें?
- मण्डली की स्थिति कैसी है?

भाग I

"मण्डली" का क्या अर्थ है?

मण्डली शब्द के कई अर्थ हैं।

वे जो मसीह के हैं

यीशु ने कहा, "मैं अपनी मण्डली बनाऊँगा"। उसने "एक्लीज़िया" शब्द का प्रयोग किया। इसका अर्थ है "बुलाये हुए"। मसीह हमको अपने पीछे चलने के लिए बुलाता है। हम पाप का जीवन छोड़ते हैं। बुलाये हुओं के बड़े समूह का भाग बन जाते हैं। जो यीशु को अपना प्रधान स्वीकार करते हैं। यही सच्ची मण्डली है। केवल परमेश्वर को विदित है कि कौन उसके सदस्य हैं। बहुत से स्वर्ग जा चुके हैं।

कुलुस्सियों 1:18 वही देह अर्थात् **कलीसिया** का सिर है; वही आदि है।

रोमियो 12:5 वैसा ही हम जो बहुत हैं मसीह में एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं।

स्थानीय मण्डली

किसी भी समुदाय में जिनका मसीह पर एक समान विश्वास है, उसकी आराधना के लिए लगातार इकट्ठा होते हैं, जैसा कि बाइबल के दिनों में होता था। वे स्थानीय मण्डली बनाते हैं और सब मिलकर प्रभु के लिए काम करते हैं।

मत्ती 18:20 क्योंकि जहां दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं वहां मैं उनके बीच में होता हूँ।

कुलुस्सियों 4:15 लौदीकिया के भाइयों को और नुमफास और उनके घर की कलीसिया को नमस्कार कहना।

राष्ट्रीय मण्डली या संस्था

एक राष्ट्रीय मण्डली या संस्था बहुत-सी स्थानीय मण्डलियों से मिलकर बना एक संगठन है। वे एक दूसरे की सहायता करतीं हैं, इकत्रित होकर प्रभु के लिए महान काम कर सकती हैं। वे साहित्य छापती हैं, सेवकों को प्रशिक्षित करती हैं, नई मण्डलियां स्थापित करती हैं, विद्यालय और अनाथालय चलातीं हैं।

राष्ट्रीय मण्डली या संस्था के अगुवे, समस्याओं के समय स्थानीय मण्डलियों की सहायता करते हैं, जैसा कि बाइबल के दिनों में प्रेरित करते थे।

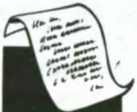

प्रेरित 15:6,23,41 तब प्रेरित और प्राचीन इस बात के विषय में विचार करने के लिए इकट्ठे हुए।

उनकें हाथ यह लिख भेजा। कलीसियाओं को स्थिर करता हुआ, सूरिया और किलिकिया से होते हुए निकला।

आराधना के सही रूप पर, मण्डली के उत्तम **संगठन** के रूप पर, बाइबल में अमुक भागों को अर्थ इत्यादि के **विषय विश्वास** में भिन्नता होने के कारण, विभिन्न संस्थाएँ बनाई गयी थीं। **तोभी** अधिकांश संस्थाएँ महत्वपूर्ण **विषयों** पर एकमत हैं और कार्य एवं आराधना में सहयोग करती हैं।

मण्डली का भवन

एक भवन जो परमेश्वर के घर के रूप में अलग किया जाता है; जहाँ उसके भक्त उससे मिलते हैं, उसे भी मण्डली कहते हैं। चाहे वह सुन्दर मन्दिर हो या साधारण गिरजा, परमेश्वर की उपस्थिति ही अधिक महत्वपूर्ण है।

आपका काम

- प्रत्येक प्रश्न के सही उत्तर के नीचे लकीर खींचें।
- यीशु ने जब कहा, "मैं अपनी मण्डली बनाऊंगा" तो किस तरह की मण्डली की बात की?
  अ. एक राष्ट्रीय संगठन।
  ब. सच्चे **विश्वासियों** का समूह जो मसीह को अपना सिर मानते हैं।
  स. एक मन्दिर।
- यीशु ने "मण्डली" के लिए कौन-सा शब्द प्रयोग किया?
  अ. "एक्लीज़िया" जिसका अर्थ "बुलाए हुए"।
  ब. "शिष्य" जिसका अर्थ है "सीखने वाले" या "अनुयायी"।

स. "टेम्पल" जिसका अर्थ है "मन्दिर"

- आप किस मण्डली के सदस्य होंगे?
  अ. वह जो बाइबल पर विश्वास करती और मानती है।
  ब. वह जो बाइबल की प्रेरणा पर सन्देह करती है।
  स. वह जिसका प्रमुख उद्देश्य समाज सेवा है।

भाग 2

सच्ची मण्डली क्या करती है?

यहाँ और भाग तीन में "मण्डली" का तात्पर्य मसीह की देह है, जो स्थानीय और राष्ट्रीय मण्डलियों के रूप में काम करती है।

सच्ची मण्डली परमेश्वर से प्रेम करती और उसका नमूना दिखाती है।

सबसे अधिक परमेश्वर हमारा प्रेम चाहता है। उसने हमें बनाया ताकि उसकी सन्तान हों, उसका प्रेम पायें, उससे प्रेम करें। आराधना में मण्डली परमेश्वर से मिलती है। सामूहिक और **व्यक्तिगत** रूप से सभी सदस्य, प्रार्थना, स्तुति, संगति, दान, मसीही सेवा और उसकी आज्ञा मानने के द्वारा, परमेश्वर के प्रति अपना प्रेम प्रगट करते हैं।

सच्ची मण्डली जगत में यीशु की साक्षी देती है

प्रत्येक मसीही को अपने कुटुम्ब में, और मित्रों को उद्धार के विषय में बताना चाहिए। जगत के छोर तक सुसमाचार पहुँचाने में पवित्र आत्मा हमारी सहायता करता है। हम एक साथ इस कार्य को करते हैं।

याद कीजिये

मरकुस 16:15 तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो।

प्रेरित 1:8 जब पवित्र आत्मा तुम पर आयेगा तब तुम सामर्थ पाओगे, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।

मरकुस 5:19 अपने घर जाकर अपने लोगों को बता कि तुझ पर दया करके प्रभु ने तेरे लिए कैसे बड़े काम किये हैं।

सच्ची मण्डली परमेश्वर का वचन सिखाती है

मण्डली सभी प्रयासों से अपने सदस्यों को सत्य की शिक्षा देती है और यीशु के अनुयायी होने का प्रशिक्षण देती है।

मत्ती 28:19.20 इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो। उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी हैं मानना सिखाओ।

सच्ची मण्डली अपने सदस्यों का ध्यान रखती है

निरन्तर आराधना, बाइबल अध्ययन, संगति, और मसीही सेवा द्वारा, मण्डली अपने सदस्यों को आत्मिक उन्नति का अवसर देती है।

मण्डली उन्हें सलाह और सहायता देती है जिनके सामने समस्यायें हैं। जिन्हें ज़रूरत है उनकी पूर्ण सहायता करती है। वे चाहे सदस्य हों या न हों।

आपका काम

- मण्डली परमेश्वर से ..... और उसका .....
- मण्डली यीशु के **विषय** ..... को बताती है।
- मण्डली ..... सिखाती है।
- मण्डली ..... **एकत्रित होती है।**
- मण्डली अपने ..... का ध्यान रखती है और ..... का अवसर देती है।

भाग 3

क्यों मण्डली के सदस्य बनें?

क्योंकि आपको मण्डली की आवश्यकता है

परमेश्वर ने मण्डली में भक्त रखे हैं ताकि वे आपकी सहायता करें और सिखायें। इस प्रकार वह आपकी आत्मिक आवश्यकता पूरी करता है।

इफिसियों 4:11,12 कितनों को सुसमाचार सुनाने वाले नियुक्त करके और कितनों को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया। जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जायें और सवा का काम किया जाये, और मसीह की देह उन्नति पाये।

किसी मण्डली के सदस्य आप इसलिए न बनें, कि आपको रुपया या भोजन मिले या दूसरी सांसारिक आवश्यकताएं पूरी हों। परमेश्वर को यदि पहला स्थान देंगे तो वह आपकी सभी आवश्यकताएं पूरी करेगा।

क्योंकि मण्डली को आपकी आवश्यकता है

देह के हर अंग का काम है। मसीह की देह के अंग के रूप में आपके लिए काम है। हाथ के साथ बिना देह के लिए अकेली उँगली से कुछ भी करने की कोशिश न करें। मण्डली में अपना स्थान लीजिये। दूसरों की सहायता के लिए स्वयं को, परमेश्वर के द्वारा प्रयोग होने दीजिये।

रोमियों 12:4,6 जैसे हमारी एक देह में बहुत-से अंग हैं और सब अंगों का एक ही सा काम नहीं। जबकि उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है, हमें भिन्न-भिन्न वरदान मिले हैं।

क्योंकि मण्डली में आप परमेश्वर की उत्तम सेवा कर सकते हैं

जब आप पानी में बपतिस्मा लेते हैं और मण्डली के सदस्य हो जाते हैं, तो दूसरों के सामने आपकी उत्तम साक्षी है। आज्ञाकारी होने का, और परमेश्वर के लिए अर्पण करने का कार्य है।

अपने दान द्वारा परमेश्वर की सेवा करते हैं। मण्डली इस सेवा का उत्तम साधन है। पैसे का सावधानी से प्रयोग करती है। उनका खर्च उठाती है जो स्थानीय समुदायों और अन्य भागों में सुसमाचार पहुंचाते हैं। किसी के दान के द्वारा अपने सुसमाचार सुना। चूँकि आप दान देते हैं दूसरे सुसमाचार सुनते हैं। उद्धार पाते हैं।

2 कुरिन्थियों 9:6,7 "बात तो यह है, कि जो थोड़ा बोता है वह थोड़ा काटेगा भी, और जो बहुत बोता है, वह बहुत काटेगा। हर एक जन जैसा मन में ठाने वैसा ही दान करे : न कुढ़ कुढ़ के, और न दबाव से क्योंकि परमेश्वर हर्ष से देने वाले से प्रेम रखता है।

मण्डली में आपको सेवा के लिए अनेक अवसर मिलते हैं। जैसे प्रार्थना करना, साक्षी देना, साहित्य बाँटना, गाने गाना, सिखाना, प्रचार करना और दूसरों को मण्डली में लाना। मण्डली में आपकी लगातार उपस्थिति से परमेश्वर प्रसन्न होता है। और दूसरों को भी उत्साह मिलता है।

इब्रानियों 10:25 एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें: और ज्यों-ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों-त्यों और भी अधिक यह किया करो।

आपका काम

- क्या आप किसी स्थानीय मण्डली के सदस्य हैं? .....
- यदि हाँ तो किस मण्डली के? .....
- क्या आप दूसरे मसीहियों के साथ लगातार इकट्ठे होते हैं कि प्रभु की आराधना करें? .....
- क्या अपने क्षेत्र की एक उत्तम स्थानीय मण्डली का पता चाहते हैं? .....
- क्या आप मसीह की देह के सहभागी, दूसरे मसीहियों के साथ काम करना चाहते हैं? .....

भाग 4

मण्डली की स्थिति कैसी है?

बीसवीं सदी का संग्राम

जब से यीशु मसीह ने अपनी मण्डली की स्थापना की शैतान इसे नष्ट करने की कोशिश में है। मण्डली न

केवल अपनी रक्षा के लिए लड़ रही है, बल्कि उन आत्माओं को बचाने में लगी है जिन्हें शैतान नरक में ले जा रहा है।

इफिसियों 6:12 हमारा यह मल्लयुद्ध लोहू और मांस से नहीं, दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है।

1 पतरस 5:8 सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जने वाले सिंह की नाईं इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाये।

शैतान का युद्ध-कौशल और हथियार

शैतान, मसीह से मसीहियों को अलग करने की कोशिश करता है ताकि उन्हें हरा सके। क्लेश, झूठी शिक्षा, और परीक्षा उसके मुख्य हथियार हैं। उसने हज़ारों मसीहियों को मार डाला है ताकि क्लेश द्वारा मण्डली को नष्ट कर दे। झूठे शिक्षकों को मण्डली में भर दिया है और उसके अगुओं को **अविश्वास** से अन्धा कर दिया है। उसने पाप से मण्डली को तोड़फोड़ डाला है।

मण्डली का युद्ध-कौशल और हथियार

हमारी सुरक्षा तभी है जब हम अपने प्रधान सेनापति प्रभु यीशु मसीह के समीप रहें। प्रार्थना, विश्वास और परमेश्वर का **वचन** हमारे मुख्य हथियार हैं। पवित्र आत्मा, जो शैतान से शक्तिशाली है, हमको बल और सामर्थ देता है कि उसे हरा सकें।

इफिसियों 6:10-11 निदान प्रभु में और उसकी **शक्ति** के प्रभाव में बलवन्त बनो। परमेश्वर के सारे

हथियार बाँध लो; कि तुम शैतान की युक्तियों के सामने खड़े रह सको।

मण्डली की विजय

प्राचीन युग से क्लेशों ने मण्डली को पवित्र किया है और उसकी प्रगति की है। पवित्र आत्मा ने जागृति की लहरें भेजकर पाप और झूठी शिक्षा से उसे छुटकारा दिया है। अभी हम क्लेश सहते हैं पर शीघ्र ही युद्ध समाप्त होगा। शैतान परास्त किया जायेगा। मण्डली मसीह के साथ सदैव राज्य करेगी

मत्ती 16 : 18 मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा। अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।

रोमियों 8 : 37 परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हमसे प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।

इसमें आपका भाग

इस युद्ध में प्रत्येक मसीह सैनिक है।

2 तीमु० 2 : 3 मसीह यीशु के अच्छे योद्धा की नाईं मेरे साथ दुःख उठा।

प्रकाशितवाक्य 2 : 10 मत डर...प्राण देने तक विश्वासी रह तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा।

आपका काम

- क्या आपने इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पहले ही यीशु को अपना मुक्तिदाता ग्रहण किया था?
- या जब अध्ययन शुरू किया तब?
- क्या आप अब यीशु को ग्रहण करेंगे?

उत्तर पृष्ठ

जीवन के महान प्रश्न

इन्टरनेशनल कारेसपोन्डेन्स इन्स्टीट्यूट
पोस्ट बैग नं. 1, एन्ड्रयूज गंज
नई दिल्ली - 110 049

विद्यार्थी जांच-पृष्ठ 1

नीचे दिए गए रिक्त स्थान में साफ अक्षरों में भरें:

आपका नाम .....

आपका आई.सी.आई विद्यार्थी क्रमांक .....

आपका पता .....

.....

महत्त्वपूर्ण

यह आपकी "उत्तर पुस्तिका" है। कृपया इसे सावधानीपूर्वक खींचकर बाहर निकाल लें और इसे भरकर हमें भेज दें। इसे जांच कर हम आपको एक आकर्षक प्रमाणपत्र तथा अगले कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम पाठ्यक्रम भेज देंगे।

सही या गलत

निम्नलिखित कथन या तो सही हैं या गलत। सही उत्तर के सामने (√) निशान लगायें।

1. परमेश्वर ने अपने आनन्द के लिए ससार की सृष्टि की ।
   ...अ) सही ...ब) गलत

2. परमेश्वर चाहता था कि मानवीय परिवार उसके प्रेम का आनन्द उठाए और उसकी सन्तान बनें।
...अ) सही ...ब) गलत

3. परमेश्वर की सहायता से मानवजाति को पृथ्वी पर शासन करना था।
...अ) सही ...ब) गलत

4. परमेश्वर के विषय सत्य को जानना महत्वपूर्ण है इस कारण कि वह कौन है।
...अ) सही ...ब) गलत

5. परमेश्वर को जानना यह मेरे जीवन और मृत्यु का विषय है।
...अ) सही ...ब) गलत

6. परमेश्वर को प्रसन्न करने हेतु मुझे उसको जानना चाहिए।
...अ) सही ...ब) गलत

7. परमेश्वर एक व्यक्तिहीन प्रभाव है।
...अ) सही ...ब) गलत

8. परमेश्वर ने मुझे जीवन इसलिए दिया ताकि मैं उसकी सन्तान बन सकूं, उसकी समानता में बढ़ूं और उसके साथ एक सहयोगी के रूप में कार्य करूं।
...अ) सही ...ब) गलत

9. परमेश्वर की सहायता के बिना अच्छा बनना संभव नहीं है।
...अ) सही ...ब) गलत

10. सच्ची कलीसिया संसार को यीशु के बारे में बताती है और परमेश्वर की आराधना करने के लिए एकत्रित होती है।
...अ) सही ...ब) गलत

एक से अधिक चुनाव

निम्न प्रश्नों में दिए गए उत्तरों में से एक उत्तर सही है। सही उत्तर वाले अक्षर पर √ चिन्ह लगाएं।

11. कैसे और क्यों यह संसार बनाया गया कौन सी पुस्तक हमें बताती है?
...अ) बाइबल ...ब) शब्दकोश

12. किसने जीवन के लिए नमूना स्थापित किया जिसे हम प्रकृति के नियम कहते हैं?
...अ) परमेश्वर ...ब) मनुष्य

13. प्रथम आदि पुरुष और स्त्री का नाम चुनें।
...अ) आदम और हव्वा ...ब) युसुफ और मरियम

14. मनुष्य ने आपनी आत्मा कहां से पाई?
...अ) जानवरों से ...ब) परमेश्वर से

15. क्या महत्वपूर्ण है?
...अ) हमारा शरीर ...ब) हमारी आत्मा

16. मेरी सबसे बड़ी आवश्यकता है–
...अ) एक उद्धारकर्त्ता की ...ब) अधिक रुपया पाने की

17. भला क्या है इसके प्रति हमें कौन अन्धा कर देता है?
...अ) शैतान ...ब) यीशु

18. परमेश्वर किसके समान है यह हमें कौन दिखाता है?
...अ) शैतान ...ब) यीशु

19. कौन हमें गल्तियों तथा अविश्वास से मुक्त करता है?
...अ) शैतान ...ब) यीशु

20. कौन हमारे अन्दर परमेश्वर के वचन के प्रति शंका उत्पन्न करता है?
...अ) शैतान ...ब) यीशु

21. मनुष्यों को झूठे धर्मों की ओर कौन ले जाता है?
...अ) शैतान ...ब) यीशु

22. जब परमेश्वर की सन्तान की मृत्यु होती है तो उनकी आत्मा–
...अ) स्वर्ग में जाती है ...ब) नरक में जाती है

23. जिन्होंने परमेश्वर के उद्धार की योजना को ग्रहण नहीं किया वे–
...अ) स्वर्ग में जाते हैं ...ब) नरक में जाते हैं

24. जब यीशु ने कहा "मैं अपनी कलीसिया बनाऊंगा" तो वह किस प्रकार की कलीसिया के विषय में कह रहा था?
...अ) सच्चे विश्वासियों की देह
...ब) एक राष्ट्रीय संस्था

25. यीशु ने कलीसिया के लिए किस शब्द का प्रयोग किया था?
...अ) एक्कलीसिया ...ब) मन्दिर

जब से आपने इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करना आरंभ किया है तो क्या आपने यीशु को अपना उद्धारकर्त्ता ग्रहण किया है?
... हां ... नहीं

यदि आपका उत्तर हां में है, तो कृपया इसके बारे में कुछ बताइए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....